

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 250]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 19, 1972/वैशाख 29, 1894

No. 250]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 19, 1972/VAISAKHA 29, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 19th May 1972

S.O. 362(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that M/s. Alagappa Textiles (Cochin) Ltd., Alagappanagar, an industrial undertaking in respect of which an investigation has been made under section 18 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), is being managed in a manner highly detrimental to public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 18A of the said Act, the Central Government hereby authorises the Kerala Textile Corporation (hereinafter referred to as Authorised Controller) to take over the management of the whole of the said undertaking, namely M/s. Alagappa Textiles (Cochin) Ltd., Alagappanagar, subject to the following terms and conditions, namely:—

- (i) The Authorised Controller shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government.
- (ii) The Authorised Controller shall hold office for five years from the date of publication in the official gazette of this notified order.
- (iii) The Central Government may terminate the appointment of the Authorised Controller earlier, if it considers it necessary to do so.

2. This Order shall have effect for a period of five years commencing from the date of its publication in the official gazette.

[No. F. 3(6)/72-CUC.]

S. K. SAHGAL, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 19 मई, 1972

का० आ० 362 (अ).—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि मैसर्स अलागप्पा टेक्सटाइल्स (कोचीन) लि०, अलागप्पा नगर नामक औद्योगिक उपक्रम का, जिसके सम्बन्ध में उद्योग (विकास तथा विमियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 के अधीन एक जांच की गई है, प्रबन्ध इस ढंग से किया जा रहा है जो सार्वजनिक हित में बहुत ही अहितकर है ;

अतः अब उपरोक्त अधिनियम की धारा 18-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार केरल वस्त्र निगम (इसमें जिसे एतदोपरान्त प्राधिकृत नियंत्रक कहा जाएगा) को मैसर्स अलागप्पा टेक्सटाइल्स (कोचीन) लि०, अलागप्पा नगर नामक उपरोक्त संपूर्ण उपक्रम का प्रबंध अपने अधिकार में लेने के लिए, निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन एतद्द्वारा प्राधिकृत करती है, अर्थात् :—

- (1) प्राधिकृत नियंत्रक, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर दिये गये निदेशों का पालन करेगा ;
- (2) प्राधिकृत नियंत्रक इस अधिमूर्खित आदेश के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पांच वर्ष तक की अवधि के लिए बद्ध धारण करेगा ;
- (3) केन्द्रीय सरकार, यदि वह ऐसा करना आवश्यक समझेगी तो उससे पूर्व भी इस प्राधिकृत नियंत्रक की नियुक्ति को समाप्त कर सकती है ।

2. यह आदेश सरकारी राजपत्र में इसके प्रकाशित होने की तारीख से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा ।

[सं० फ० 3(6)/72-सी०यू०सी०]

एस० के० सहगल, संयुक्त सचिव ।